Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 31 July 2024

Dainik Jagran Page - 04

परीक्षक देंगे ओटीपी तभी अंक फीड कर पाएंगे कालेज

मनमाना अंक अपलोड करने पर रोक लगाने के लिए नई पहल

जागरण संवाददाता, गोरखपुर
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय अब मौखिक परीक्षा के अंक अपलोड करने में मनमानी नहीं कर पाएंगे। अंक अपलोड करने से पहले परीक्षक के पास ओटीपी आएगा, उसी के बाद पोर्टल खुलेगा। विश्वविद्यालय पारदर्शिता व शुचिता को देख पोर्टल लागू करने जा रहा है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्नातक ऐच्छिक तथा सामान्य परीक्षा में मौखिक परीक्षा के अंक दे रहे थे। जबकि विश्वविद्यालय की ओर से यह तय था कि महाविद्यालय के अंक को ही अपलोड करना होता है। कई ऐसे विद्यार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहते हैं, उनको भी महाविद्यालय उपस्थित दिखाकर अंक दे देते हैं। इसकी जानकारी परीक्षक को भी नहीं रहती। इसी मनमानी को रोकने के लिए विश्वविद्यालय यह व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। बाह्य परीक्षक के पास एक वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) आएगा जिसे वह महाविद्यालय को देगा। इसे भरने के बाद ही कालेज अंक अपलोड कर पाएंगे।

दूसरे दिन 679 अभ्यर्थियों ने दी शोध पात्रता परीक्षा

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शोध पात्रता परीक्षा-2023 सुव्यवस्थित और शुचितापूर्ण ढंग से मंगलवार को संपन्न हो गई। परीक्षा के दूसरे दिन दो पालियों में कुल 679 अभ्यर्थी शामिल हुए। दोनों पालियों में परीक्षा कड़ी निगरानी में संपन्न हुई। मुख्य नियंता प्रो.सतीश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में नियंता मंडल के सदस्य और पुलिस बल मुस्तैद रहा। मंगलवार को कुल 13 विषयों की परीक्षाएं संपन्न हुईं। सुबह की पाली में रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, एग्रीकल्चर में कुल 323 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी. शाम की पाली में प्राचीन इतिहास, बायोटेक्नालॉजी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, परफार्मिंग आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स एवं संस्कृत में कुल 356 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

Amar Ujala Page - 06

डीडीयू : परास्नातक के सीट आवंटन परिणाम जारी

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में परास्नातक पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन काउंसलिंग के बाद सीट आवंटन के परिणाम मंगलवार को जारी कर दिए गए। सीट आवंटन के अनुसार अभ्यर्थी दो अगस्त तक शुल्क जमा कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय में सनातक, परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए च्वॉइस लॉक की प्रक्रिया 27 जुलाई तक चली थी। परास्नातक कृषि, एमएड एवं सभी स्नातक कार्यक्रमों के सीट आवंटन परिणाम बुधवार की शाम घोषित किए जाएंगे। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.ddugudmissions.in पर लॉग इन कर इसे देख सकेंगे। इन कार्यक्रमों के कट ऑफ भी प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध होंगे। सीट आवंटन के अनुसार अभ्यर्थी अपना प्रवेश शुल्क दो अगस्त तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे।

डीडीयू : परीक्षक देंगे ओटीपी तभी फीड कर पाएंगे कॉलेज

कॉलेजों की ओर से मनमाने अंक अपलोड करने पर रोक लगाने की कवायद

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज अब मौखिक परीक्षा के अंक अपलोड करने में मनमानी नहीं कर पाएंगे। अंक फीड करने से पहले परीक्षक के पास एक ओटीपी आएगा, जिसके बाद ही पोर्टल खुलेगा। इससे दिए विश्वविद्यालय अपने पोर्टल में बताया करने जा रहा है।

विश्वविद्यालय को ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि कई कॉलेज अपने मौखिक परीक्षा के अंक दे रहे थे, जबकि विश्वविद्यालय की ओर से भेजे गए बाह्य परीक्षक के अंक को पोर्टल खुलेगा। इससे दिए विश्वविद्यालय अपने पोर्टल में बताया करने जा रहा है।

विश्वविद्यालय को ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि कई कॉलेज अपने मौखिक परीक्षा के अंक दे रहे थे, जबकि विश्वविद्यालय की ओर से भेजे गए बाह्य परीक्षक के अंक को पोर्टल खुलेगा। इससे दिए विश्वविद्यालय अपने पोर्टल में बताया करने जा रहा है।

बाह्य परीक्षक के पास एक वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) आएगा, जिसे वह कॉलेज को देगा। इसे भरने के बाद ही कॉलेज अंकों को फीड कर पाएंगे।

सभी शिक्षकों को परीक्षक बनने का समान मौका

विश्वविद्यालय एवं कालेजों में उपलब्धता पत्रिकाओं को शामन कराने के लिए अब हर विभाग के सभी शिक्षकों को परीक्षक बना दिया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने यह कदम उठाया है।

प्रो अपलोड करना होता है। कई ऐसे विद्यार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहते हैं, उनको भी कालेज उपस्थित दिखाकर अंक दे देते हैं। इसकी जानकारी परीक्षक को भी नहीं रहती। इसी मनमानी को रोकने के लिए विश्वविद्यालय यह व्यवस्था शुरू करने जा रहा है।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

प्रायोगिक और मौखिक परीक्षा में पारदर्शिता हो, इसके लिए कॉलेजों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। मौखिक परीक्षा के अंक फीड करने से पहले परीक्षक के पास एक ओटीपी आएगा। उसको भी बिना कॉलेज अंक फीड नहीं कर पाएंगे। इसके लिए पोर्टल में बदलाव किया जा रहा है।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

कुशीनगर में हुई थी मनमानी : हाल ही में कुशीनगर के एक कॉलेज में इस तरह का मामला सामने आया, जहां कॉलेज ने परीक्षक को बिना बताए अंक फीड कर दिए। परीक्षक जब अंक फीड करने पहुंचे तो उनको पता चला कि वह पहले ही हो चुका है। इसके बाद उन्होंने विश्वविद्यालय में शिकायत की, जिसके बाद कुलपति ने इसपर जांच बैठा दी। साथ ही विश्वविद्यालय ने तत्काल प्रभाव से कॉलेज का परिणाम रोक दिया।

Hindustan Page - 08

संविदा शिक्षकों की भी 57 हजार 700 रुपये होगी बेसिक सैलरी

डीडीयू

दैनिक जिक्र

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में संविदा शिक्षकों की भी 57 हजार 700 रुपये बेसिक सैलरी होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने प्रस्ताव भेजा है। डीडीयू की वित्त समिति और कार्य परिषद ने इसे मंजूरी दी है। इसे अब कुलपति के पास भेजा गया है। डीडीयू में 57 हजार 700 रुपये बेसिक सैलरी पाने वाले 356 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जानकारी है। इसमें 27 शिक्षक नियुक्ति के लायक हैं। इसके अलावा 329 शिक्षक अभ्यर्थी हैं। इन सभी को 57 हजार रुपये बेसिक सैलरी मिलेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने प्रस्ताव भेजा है। डीडीयू की वित्त समिति और कार्य परिषद ने इसे मंजूरी दी है। इसे अब कुलपति के पास भेजा गया है।

Rashtriya Sahara Page - 07,10

शोध पात्रता परीक्षा में 679 अभ्यर्थी शामिल

गोरखपुर (रा.स.स.प्र.)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को शोध पात्रता परीक्षा-2023 में 679 अभ्यर्थी शामिल हुए। दोनों पालियों में परीक्षा कड़ी निगरानी में संपन्न हुई। मुख्य नियंता प्रो.सतीश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में नियंता मंडल के सदस्य और पुलिस बल मुस्तैद रहा। मंगलवार को कुल 13 विषयों की परीक्षाएं संपन्न हुईं। सुबह की पाली में रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, एग्रीकल्चर में कुल 323 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी. शाम की पाली में प्राचीन इतिहास, बायोटेक्नालॉजी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, परफार्मिंग आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स एवं संस्कृत में कुल 356 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

- प्रो. शांतनु रस्तोगी ने कहा कि नागरिक समाज को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। जागरूकता से अंगदान की प्रेरणा मिलेगी और इससे जुड़ी अनेक भ्रांतियां दूर होंगी।
- अतिथियों का स्वागत करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.अनुभूति दूबे ने कहा कि अंगदान के संबंध में जागरूकता के अभाव अभी हमारे समाज में व्याप्त है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है।
- प्रो. वीना कवा कुशवाहा और रंगालय डॉ. मनीष पांडेय ने किया। अंगदान जैसे कठिन विषय को जागरूकता के माध्यम से समझाया गया। इस दौरान प्रो. द्वारका नाथ, प्रो. शरद मिश्र, प्रो. विनय कुमार सिंह, प्रो. केशव सिंह, प्रो. मनोज, प्रो. अनिल आदि मौजूद रहे।

Inext Page - 04

परीक्षक देंगे ओटीपी तभी अंक फीड कर पाएंगे कालेज

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय अब मौखिक परीक्षा के अंक अपलोड करने में मनमानी नहीं कर पाएंगे. अंक अपलोड करने से पहले परीक्षक के पास ओटीपी आएगा, उसी के बाद पोर्टल खुलेगा. विश्वविद्यालय पारदर्शिता व शुचिता को देखते हुए पोर्टल में बदलाव करने जा रहा है. विश्वविद्यालय को लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही थी कि कई महाविद्यालय स्वयं से मौखिक परीक्षा के अंक दे रहे थे. जबकि विश्वविद्यालय की ओर से भेजे गए बाह्य परीक्षक के अंक को ही अपलोड करना होता है. कई ऐसे विद्यार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहते हैं, उनको भी महाविद्यालय उपस्थित दिखाकर अंक दे देते हैं. इसकी जानकारी परीक्षक को भी नहीं रहती. इसी मनमानी को रोकने के लिए विश्वविद्यालय यह व्यवस्था शुरू करने जा रहा है. बाह्य परीक्षक के पास एक वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) आएगा जिसे वह महाविद्यालय को देगा. इसे भरने के बाद ही कालेज अंक अपलोड कर पाएंगे.

दूसरे दिन 679 अभ्यर्थियों ने दी शोध पात्रता परीक्षा

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शोध पात्रता परीक्षा-2023 सुव्यवस्थित और शुचितापूर्ण ढंग से मंगलवार को संपन्न हो गई. परीक्षा के दूसरे दिन दो पालियों में कुल 679 अभ्यर्थी शामिल हुए. दोनों पालियों में परीक्षा कड़ी निगरानी में संपन्न हुई. मुख्य नियंता प्रो.सतीश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में नियंता मंडल के सदस्य और पुलिस बल मुस्तैद रहा. मंगलवार को कुल 13 विषयों की परीक्षाएं संपन्न हुईं. सुबह की पाली में रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, एग्रीकल्चर में कुल 323 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी. शाम की पाली में प्राचीन इतिहास, बायोटेक्नालॉजी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, परफार्मिंग आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स एवं संस्कृत में कुल 356 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी.

Rashtra Ki Parampara

राष्ट्र की परम्परा

मङ्गलवार 31 जुलाई, 2024

अंगदान के महत्व को लेकर जागरूकता जरूरी: डा. रेणुका

डीडीयू व एम्स के संयुक्त तत्वावधान में अंगदान पर वर्कशॉप सम्पन्न

गोरखपुर (राष्ट्र की परम्परा)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं एम्स के संयुक्त तत्वावधान में अंगदान एवं ऊतक दान पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को किया गया। उल्लेखनीय है कि जुलाई माह को देश भर में अंगदान माह के रूप मे मनाया जा रहा है और अंगदान सप्ताह दिनांक 25 जुलाई तक चली है।

कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट मुख्य वक्ता नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्रिंसिपल डॉ. रेणुका के. ने कहा कि अंगदान एक महादान है। अगर अंगदान को लेकर लोग जागरूक हो जाएं तो दुनिया से जाता हर एक व्यक्ति अपने पीछे कई लोगों को जिंदगी दे सकता है। यही वजह है कि अंगदान को लेकर भारत विशेषकर उत्तर भारत में जागरूकता की कमी है। अगर अंगदान को लेकर लोग जागरूक हो जाएं तो दुनिया से जाता हर एक व्यक्ति अपने पीछे कई लोगों को जिंदगी दे सकता है। इसलिए लिविंग ऑर्गन डोनेशन यानी जो अंगदान जो जीवित रहते हुए किया जाता है। वहीं, दूसरा डिसीसेर्ड ऑर्गन डोनेशन, जो मृत्यु तत्काल उपरांत दान किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलसचिव प्रो. शान्तनु रस्तोगी ने अंगदान जागरूकता कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नागरिक समाज को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। जागरूकता से अंगदान की प्रेरणा मिलेगी और इससे जुड़ी अनेक भ्रांतियाँ दूर होंगी। अतिथियों का स्वागत करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.अनुभूति दूबे ने कहा कि अंगदान के संबंध में जागरूकता के अभाव अभी हमारे समाज में व्याप्त है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। इस दौरान प्रो. वीना कवा कुशवाहा और रंगालय डॉ. मनीष पांडेय ने किया। अंगदान जैसे कठिन विषय को जागरूकता के माध्यम से समझाया गया। इस दौरान प्रो. द्वारका नाथ, प्रो. शरद मिश्र, प्रो. विनय कुमार सिंह, प्रो. केशव सिंह, प्रो. मनोज, प्रो. अनिल आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला में बोलतीं डॉ. रेणुका और प्रो. अनुभूति दूबे।

Amar Ujala Page - 08

अब परीक्षक देंगे ओटीपी तभी फीड हो पाएगा अंक

फॉलोअप

गोरखपुर, निज संवाददाता। परीक्षक द्वारा मौखिक परीक्षा लेने से पहले ही एक कॉलेज द्वारा अंक कम्प्यूटर पर दर्ज कर दिए जाने के मामले को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। अब मौखिक या प्रायोगिक परीक्षा का अंक कॉलेज तभी अपलोड कर पाएंगे, जब परीक्षक उन्हें ओटीपी बताएगा।

डीडीयू से सम्बद्ध कुशीनगर के हाटा क्षेत्र के एक कॉलेज की शिकायत का मामला मंगलवार को चर्चाओं में रहा। शिक्षक के कमेंटरी चर्चाएं करते रहे कि ऐसी मनमानी तो कुछ कॉलेज अक्सर करते रहते हैं। डीडीयू प्रशासन के संज्ञान में भी यह मामला आ गया। इसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि भविष्य में कोई कॉलेज इस तरह की मनमानी न कर सके। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अब बाह्य परीक्षक प्रायोगिक या मौखिक परीक्षा देने जाएंगे तो उनके पास विवि से ओटीपी भेजा जाएगा। वहां ओटीपी डालकर परीक्षक अंकों को फीड करेंगे। यह भी निर्णय लिया गया है कि अब शिक्षकों की एक समान ड्यूटी पोर्टल के माध्यम से लगेगी। अन्य कमियों को भी दूर किया जाएगा।

पीजी में सीटें आवंटित स्नातक की आज होंगी

गोरखपुर। डीडीयू की परास्नातक कक्षाओं में ऑनलाइन काउंसलिंग के बाद सीट आवंटन के परिणाम मंगलवार को जारी कर दिए गए। स्नातक कक्षाओं में सीट आवंटन के परिणाम 31 जुलाई को जारी किए जाएंगे। पीजी कृषि और एमएड के सीट आवंटन के परिणाम भी बुधवार को ही घोषित होंगे।

डीडीयू में एडमिशन सेल के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर लॉग इन कर सीट आवंटन के परिणाम देख सकेंगे। इन कार्यक्रमों के कट ऑफ भी प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध होंगे। सीट आवंटन के अनुसार अभ्यर्थी अपना प्रवेश शुल्क 2 अगस्त तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे।

रेटः दूसरे दिन 679 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शोध पात्रता परीक्षा-2023 सुव्यवस्थित और शुचितापूर्ण ढंग से मंगलवार को संपन्न हो गई। दूसरे दिन दो पालियों में आयोजित परीक्षा में कुल 679 अभ्यर्थी शामिल हुए। मुख्य नियंता प्रो. सतीश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में नियंता मंडल के सदस्य और पुलिस बल मुस्तैद रहा। मंगलवार को कुल 13 विषयों की परीक्षाएं संपन्न हुईं।

रेटः दूसरे दिन 679 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शोध पात्रता परीक्षा-2023 सुव्यवस्थित और शुचितापूर्ण ढंग से मंगलवार को संपन्न हो गई। दूसरे दिन दो पालियों में कुल 679 अभ्यर्थी शामिल हुए। दोनों पालियों में परीक्षा कड़ी निगरानी में संपन्न हुई। मुख्य नियंता प्रो.सतीश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में नियंता मंडल के सदस्य और पुलिस बल मुस्तैद रहा। मंगलवार को कुल 13 विषयों की परीक्षाएं संपन्न हुईं।

Swatantra Chetna Page - 05

अंगदान के महत्व को लेकर जागरूकता जरूरी: डॉ. रेणुका

☐ अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं एम्स के संयुक्त तत्वावधान में अंगदान पर वर्कशॉप का हुआ आयोजन

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं अधिष्ठाता छात्रकल्याण के संयुक्त तत्वावधान में अंगदान एवं ऊतक दान पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस जुलाई माह को देश में अंगदान माह के रूप मे मनाया जा रहा है और अंगदान सप्ताह दिनांक 25 जुलाई तक चली है। जागरूकता कार्यक्रम में बतौर विशेषज्ञ एवं मुख्य वक्ता नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्रिंसिपल डॉ. रेणुका के. ने कहा कि अंगदान एक महादान है। अंगदान एक तरह का जीवनदान होता है ।यही कि इसको लेकर भारत विशेषकर उत्तर भारत में जागरूकता की कमी है। अगर अंगदान को लेकर लोग जागरूक हो जाएं तो दुनिया से जाता हर एक व्यक्ति अपने पीछे कई लोगों को जिंदगी दे सकता है। वहीं, दूसरा डिसीसर्ड ऑर्गन डोनेशन,जो मृत्यु के तत्काल उपरांत दान किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलसचिव प्रो. शान्तनु रस्तोगी ने अंगदान जागरूकता कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नागरिक समाज को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। जागरूकता से अंगदान की प्रेरणा मिलेगी और इससे जुड़ी अनेक भ्रांतियाँ दूर होंगी। अतिथियों का स्वागत करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.अनुभूति दूबे ने कहा कि अंगदान के संबंध में जागरूकता के अभाव अभी हमारे समाज में व्याप्त है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। इस दौरान प्रो. वीना कवा कुशवाहा और रंगालय डॉ. मनीष पांडेय ने किया। अंगदान जैसे कठिन विषय को जागरूकता के माध्यम से समझाया गया। इस दौरान प्रो. द्वारका नाथ, प्रो. शरद मिश्र, प्रो. विनय कुमार सिंह, प्रो. केशव सिंह, प्रो. मनोज, प्रो. अनिल आदि मौजूद रहे।

679 अभ्यर्थियों ने दी शोध पात्रता परीक्षा

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा आज दूसरे दिन सुव्यवस्थित और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। इस माह के दूसरे सप्ताह में संपन्न हो छठी स्नातक और परास्नातक परीक्षाओं की तरह यह परीक्षा भी पूरी हुई । परीक्षा के दूसरे दिन दो पालियों में आज कुल 679 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए।

सोमवार की तरह आज भी परीक्षा कड़ी निगरानी में संपन्न हुई। मुख्य नियंता प्रो सतीश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में नियंता मंडल के सदस्य और पुलिस बल मुस्तैद रहा। आज कुल 13 विषयों की परीक्षाएं सम्पन्न हुई सुबह की पाली में रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, एग्रीकल्चर में कुल 323 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी ।सायंकालीन पाली में प्राचीन इतिहास, बायोटेक्नालॉजी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, परफार्मिंग आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स एवं संस्कृत में कुल 356 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी ।

Amar Ujala Select Page - 03, 04

'अंगदान से लोगों का बच सकता है जीवन'

डीडीयू और एम्स के संयुक्त तत्वावधान में अंगदान पर हुई कार्यशाला

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता छात्र कल्याण और एम्स के संयुक्त तत्वावधान में अंगदान एवं ऊतक दान पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्राचार्य डॉ. रेणुका ने कहा कि अंगदान एक महादान है। अगर अंगदान को लेकर लोग जागरूक हो जाएं तो दुनिया से जाता हर एक व्यक्ति अपने पीछे कई लोगों को जिंदगी दे सकता है।

उन्होंने कहा कि अंगदान को लेकर परिवार, आस-पड़ोस और समाज में विमर्श खड़ा किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने कहा कि समाज को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। जागरूकता से अंगदान की प्रेरणा मिलेगी और इससे जुड़ी अनेक भ्रांतियां दूर होंगी।

अतिथियों का स्वागत करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दूबे ने कहा कि अंगदान के संबंध में जागरूकता के अभाव अभी हमारे समाज में व्याप्त है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। इस दौरान प्रो. वीना कवा कुशवाहा और रंगालय डॉ. मनीष पांडेय ने किया। अंगदान जैसे कठिन विषय को जागरूकता के माध्यम से समझाया गया। इस दौरान प्रो. द्वारका नाथ, प्रो. शरद मिश्र, प्रो. विनय कुमार सिंह, प्रो. केशव सिंह, प्रो. मनोज, प्रो. अनिल आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला में बोलतीं डॉ. रेणुका और प्रो. अनुभूति दूबे।

Supar Fast Times

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सुपर फास्ट टाइम्स

(कुशीनगर/गोरखपुर/बाराबंकी)

अंगदान के महत्व को लेकर जागरूकता जरूरी : डॉ० रेणुका के०

- अंगदान पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित
- अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं एम्स के संयुक्त तत्वावधान में अंगदान पर वर्कशॉप का हुआ आयोजन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण के संयुक्त तत्वावधान में अंगदान एवं ऊतक दान पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नौरंगाल में हुए इस जागरूकता कार्यक्रम में बतौर विशेषज्ञ एवं मुख्य वक्ता नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्राचार्य डॉ.रेणुका के. ने कहा कि अंगदान एक महादान है। अंगदान एक तरह का जीवनदान होता है। यही कि इसको लेकर भारत विशेषकर उत्तर भारत में जागरूकता की कमी है। अगर अंगदान को लेकर लोग जागरूक हो जाएं तो दुनिया से जाता हर एक व्यक्ति अपने पीछे कई लोगों को जिंदगी दे सकता है। वहीं, दूसरा डिसीसर्ड ऑर्गन डोनेशन,जो मृत्यु के तत्काल उपरांत दान किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलसचिव प्रो. शान्तनु रस्तोगी ने अंगदान जागरूकता कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नागरिक समाज को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। जागरूकता से अंगदान की प्रेरणा मिलेगी और इससे जुड़ी अनेक भ्रांतियाँ दूर होंगी। अतिथियों का स्वागत करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.अनुभूति दूबे ने कहा कि अंगदान के संबंध में जागरूकता के अभाव अभी हमारे समाज में व्याप्त है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। इस दौरान प्रो. वीना कवा कुशवाहा और रंगालय डॉ. मनीष पांडेय ने किया। अंगदान जैसे कठिन विषय को जागरूकता के माध्यम से समझाया गया। इस दौरान प्रो. द्वारका नाथ, प्रो. शरद मिश्र, प्रो. विनय कुमार सिंह, प्रो. केशव सिंह, प्रो. मनोज, प्रो. अनिल आदि मौजूद रहे।

Rashtra Ki Parampara

राष्ट्र की परम्परा

अंगदान के महत्व को लेकर जागरूकता जरूरी: डा. रेणुका

डीडीयू व एम्स के संयुक्ततत्वावधान में अंगदान पर वर्कशाप सम्पन्न

गोरखपुर (राष्ट्र की परम्परा)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं एम्स गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में अंगदान एवं ऊतक दान पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम व कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को किया गया। उल्लेखनीय है कि जुलाई माह को देश भर मे अंगदान माह के रूप मे मनाया जा रहा है और अंगदान सप्ताह दिनांक25 जुलाई है।

कार्यक्रम मे बतौर विशिष्ट मुख्य वक्ता नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्रिंसिपल डॉ रेणुका के. ने कहा कि अंगदान महादान है। अंगदान एक तरह का जीवनदान होता है। यहाँ कि इसको लेकर भारत विशेषकर उत्तर भारत मे जागरूकता की कमी है। अगर अंगदान को लेकर लोग जागरूक हो जाएँ तो दुनिया से जाता हर एक व्यक्ति अपने पीछे कई लोगो को जिंदगी दे सकता है। उन्होंने बताया कि ऑर्गन डोनेशन दो तरह के होते है। वही, दूसरा डिसीसर्ड ऑर्गन डोनेशन, जो मृत्यु के तत्काल बाद दान किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलसचिव प्रो. शान्तनु रस्तोगी ने अंगदान जागरूकता कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नागरिक समाज को इसमे महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.अनुभूति दूबे ने कहा कि अंगदान के संबंध मे जागरूकता के अभाव अभी हमारे समाज मे व्याप्त है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। इस दौरान प्रो. वीना कवा कुशवाहा और रंगालय डॉ. मनीष पांडेय ने किया। अंगदान जैसे कठिन विषय को जागरूकता के माध्यम से समझाया गया। इस दौरान प्रो. द्वारका नाथ, प्रो. शरद मिश्र, प्रो. विनय कुमार सिंह, प्रो. केशव सिंह, प्रो. मनोज, प्रो. अनिल आदि मौजूद रहे।